Patrika (Indore), 06th January 2026, Page – 03

आइआइटी इंदौर में तकनीकी हिंदी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी को रोजगारोन्मुख और डिजिटल दौर के अनुरूप बनाने पर चला मंथन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर में दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी 'अभ्युदय-3' का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और प्रशासन में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना है। आयोजन आइआइटी इंदौर ने आइआइटी जोधपुर और सीएसआइआर के राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर) के सहयोग से किया।

संगोष्ठी में चर्चा हुई कि तकनीकी विषयों में हिंदी को किस तरह ज्यादा उपयोगी, रोजगारोन्मुख और डिजिटल दौर के अनुरूप बनाया जा सकता है। साथ ही तकनीकी शब्दावली के मानकीकरण और शोध कार्यों के हिंदी में संचार पर जोर दिया गया। संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जिसमें चयनित शोध पत्र शामिल हैं। समीक्षा के बाद 26 शोध पत्र स्वीकार किए गए। इनमें से 12 विज्ञान और अभियांत्रिकी सत्र में व 14 शोध पत्र डिजिटल तकनीक और नवाचार सत्र में प्रस्तुत किए गए। उद्घाटन सत्र में आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि संस्थान हिंदी में विज्ञान और तकनीक को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। आइआइटी इंदौर में हिंदी में वैज्ञानिक चर्चाएं, शोध प्रबंधों का संकलन और पहले वर्ष के छात्रों के लिए हिंदी में व्याख्यान किए जा रहे हैं। आइआइटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा कि ऐसी संगोष्ठियां तकनीकी शिक्षा और शोध के क्षेत्र में हिंदी को मजबूत आधार देती हैं। सीएसआइआर-निस्पर के डॉ. सीबी सिंह ने हिंदी में शोध लेखन की बात कही और बताया कि ऐसे लेखों को निस्पर की पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा सकता है। कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, स्टार्टअप, उच्च शिक्षा और प्रशासन में हिंदी के उपयोग जैसे विषयों पर व्याख्यान और पैनल चर्चा हुई। पद्मश्री भेरू सिंह चौहान द्वारा लोक गायन की प्रस्तुति दी।